ई-न्यूज

24 न्यूज अपडेट

WebSite.: https://24newsupdate.in

उदयपुर, गुरूवार 27 नवम्बर 2025

Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com

वर्ष 2 अंक 210

एक से ज्यादा शादी कीं तो 10 साल की जेलः निकाय चुनाव नहीं लड़ पाएंगे, सरकारी नौकरी नहीं मिलेगी; असम में पॉलिगामी बिल पास

24 न्यूज अपडेट

असम विधानसभा ने असम प्रोहिबिशन ऑफ पॉलिगामी बिल, 2025 पास कर किया है। यह कानून छठे शेड्यूल क्षेत्रों और शेड्यूल्ड ट्राइब वर्ग पर लागू नहीं होगा। सरकार के अनुसार इन क्षेत्रों की स्थानीय प्रथाओं को देखते हुए छूट दी गई है।

बिल के अनुसार पहली शादी वैध होने पर दूसरी शादी करना अपराध होगा, जिसके लिए सात साल तक की कैद और जुर्माना है। पहली शादी छिपाकर दूसरी शादी करने पर सजा बढ़कर 10 साल तक होगी। अपराध दोहराने पर हर बार सजा दोगुनी होगी।

बिल पर चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री ने विपक्षी दलों से अपने संशोधन प्रस्ताव वापस लेने की अपील की। हालांकि AIUDF और CPI(M) के प्रस्तावों को सदन ने वॉइस वोट से खारिज कर दिया।

इस कानून के दायरे में वो लोग भी आएंगे जो बहुविवाह को बढ़ावा देने या छिपाने में मदद करते हैं। इनमें मुखिया, काजी, पुजारी, पेरेंट आदि शामिल हैं।

ऐसे लोगों को दो साल तक की सजा और एक लाख रुपए तक का जुर्माना लगेगा। यदि कोई व्यक्ति जानते हुए अवैध शादी करवाता है, तो उसे डेढ़ लाख रुपए तक के जुर्माने और दो साल तक की कैद होगी।

नए कानून में बहुविवाह के दोषी पाए गए लोग सरकारी नौकरी के पात्र नहीं होंगे। सरकारी योजनाओं का लाभ भी नहीं ले सकेंगे।। किसी भी स्थानीय निकाय के चुनाव में हिस्सा नहीं ले पाएंगे।

बिल में कहा गया है कि पीड़ित महिलाओं को मुआवजा, कानूनी संरक्षण और अन्य सहायता उपलब्ध कराई जाएगी ताकि वे आर्थिक और सामाजिक रूप से सुरक्षित रह सकें। कानून महिलाओं के अधिकार मजबूत होंगे

असम सरकार का कहना है कि ऐसे मामलों में महिलाओं को अक्सर सबसे ज्यादा चोट पहुंचती है और यह कानून उनकी सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित करने के लिए तैयार किया गया है। इस बिल को राज्य में महिलाओं के अधिकारों को मजबूत करने, परिवार व्यवस्था को कानूनी रूप से सुरक्षित करने और सामाजिक सुधार लाने के लिए एक निर्णायक कदम बताया है।

फिर से CM बना तो UCC लाऊंगा

बिल के पास होने से पहले असम के CM हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा था-

इस्लाम पॉलिगामी को बढ़ावा नहीं दे सकता। अगर यह बिल पास हो जाता है, तो आपको एक सच्चा मुसलमान होने का मौका मिलेगा। यह बिल इस्लाम के खिलाफ नहीं है। सच्चे इस्लामी लोग इस एक्ट का स्वागत करेंगे। तुर्की जैसे देशों ने भी पॉलिगामी पर बैन लगा दिया है। पाकिस्तान में एक आर्बिट्रेशन काउंसिल है।

उन्होंने कहा- अगर मैं चीफ मिनिस्टर के तौर पर असेंबली में वापस आता हूं तो पहले सेशन में UCC लाऊंगा। मैं आपको अपना कमिटमेंट देता हूं कि मैं असम में UCC लाऊंगा।

सोवरेन गोल्ड-बॉन्ड में 1 लाख का निवेश 4.29 लाख बनाः रिडेम्पशन प्राइस 12,484 रुपए प्रति यूनिट तय; सरकार ने घाटे के कारण स्कीम बंद की

24 न्यूज अपडेट

RBI ने सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड (SGB) 2017-18 सीरीज-IX का रिडेम्प्शन प्राइस 12,484 रुपए प्रति यूनिट तय किया है। अगर आपने 2017 में 1 लाख रुपए इसमें लगाए थे, तो आज ये 4.29 लाख रुपए हो गया है। फाइनल रिडेम्पशन तारीख 27 नवंबर 2025 होगी।

SGB को केंद्र सरकार की ओर से RBI जारी करता है। ये फिजिकल गोल्ड का सुरक्षित विकल्प है, जिसमें स्टोरेज या प्योरिटी की चिंता नहीं। इसमें सोने की कीमत बढ़ने पर फायदा मिलता है।2.5% सालाना इंटरेस्ट भी मिलता है। यह स्कीम 2015 में शुरू की गई थी।

केंद्र सरकार ने इस साल की शुरुआत में SGB स्कीम को बंद करने का फैसला किया था। वजह बताई गई थी कि इस स्कीम से सरकार को कर्ज लेना बहुत महंगा पड़ रहा है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 1 फरवरी को बजट के बाद इसकी पुष्टि की थी। जब उनसे SGB स्कीम के भविष्य के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा था, "हां, एक तरह से बंद हो रही है।"

आर्थिक मामलों के सचिव अजय सेठ ने कहा था- पिछले कुछ समय का अनुभव यही रहा है कि SGB से सरकार को बहुत महंगा कर्ज पड़ता है। इसलिए सरकार ने अब इस रास्ते को छोड़ने का फैसला किया है। आखिरी बार फरवरी 2023 में SGB जारी हुई थी।

सुप्रीम कोर्ट बोला- दिव्यांगों के लिए फंड जुटाएं यूट्यूबर्सः समय रैना के शो में मजाक उड़ाया था; सरकार को अश्लील कंटेंट पर नियम बनाने का आदेश

24 न्यूज अपडेट

सुप्रीम कोर्ट में गुरुवार को सोशल मीडिया के कंटेंट से जुड़े दो मामलों पर सुनवाई हुई। कोर्ट ने कहा- सोशल मीडिया पर डाले जाने वाले एडल्ट कंटेंट के लिए किसी न किसी को जिम्मेदार लेनी ही होगी। केंद्र सरकार इसके लिए 4 हफ्ते में रेगुलेशन बनाए और कानून SC/ST एक्ट की तरह सख्त हों।

वहीं दिव्यांगों से जुड़े दूसरे मामले में इंडियाज गॉट लेटेंट' के होस्ट और यूट्यूबर समय रैना को आदेश दिया कि वे अपने शो में दिव्यांग लोगों की सफलता की कहानियां दिखाएं, ताकि उनकी मदद के लिए फंड इकट्ठा किया जा सके।वहीं भाजपा आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने कहा कि TMC के दबाव में फर्जी और संदिग्ध नाम जोड़े जा रहे हैं।

नागौर में बड़ा एक्शनः ऑपरेशन नीलकण्ठ के तहत 425 किलो डोडाचूरा जब्त, तस्करों ने पुलिस टीम पर किया फायर

24 न्यूज अपडेट

जयपुर 27 नवम्बर। जिला पुलिस अधीक्षक नागौर मृदुल कच्छावा के निर्देशन में अवैध मादक पदार्थों की रोकथाम हेतु चलाए जा रहे ऑपरेशन नीलकण्ठ के तहत नागौर पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। डेगाना पुलिस थाना और डीएसटी टीम नागौर ने संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए लगभग 64 लाख रुपये कीमत का 425 किलो 700 ग्राम अवैध डोडाचूरा जब्त किया है। इसके साथ ही, परिवहन में प्रयुक्त एक स्कॉर्पियो वाहन, एक 12 बोर पम्प एक्शन गन मय 7 कारतूस और फर्जी नंबर प्लेटें भी बरामद की गई हैं। पुलिस ने जोधपुर ग्रामीण निवासी अमृतलाल पुत्र ओमप्रकाश जाट को गिरफ्तार किया है, जबकि तीन अन्य आरोपी फरार हैं।

नाकाबंदी तोड़ने के बाद फायरिंग एसपी कच्छावा ने बताया कि गुरुवार को तड़के 3:00 बजे थानाधिकारी डेगाना हरीश सांखला मय जाप्ता और डीएसटी टीम डेगाना-कितलसर बाईपास पर नाकाबंदी कर रहे थे। एक स्कॉर्पियो वाहन तेज स्पीड में आते हुए दिखी, जिसे रुकने का इशारा किया गया। लेकिन चालक नाकाबंदी तोड़कर भाग निकला और लगभग 50 मीटर आगे वाहन का टायर फटने से रुक गया। वाहन से तीन व्यक्ति उतरकर पास के खेत की जाली तोड़ते हुए भागे। पीछा करने के दौरान भाग रहे व्यक्तियों में से एक ने अमृत हथियार से फायर कर कहते हुए पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से एक फायर किया।

पुलिस टीम ने घेरा देकर एक व्यक्ति को दबोच लिया, जिसने अपना नाम अमृत पुत्र ओमप्रकाश जाट (27) निवासी मादलिया, जोधपुर ग्रामीण बताया। भागने वाले अन्य आरोपियों की पहचान भोपाल विश्नोई निवासी पांचला सिद्धा और गणेश बेनिवाल निवासी गोगलाव के रूप में हुई। वाहन की नियमानुसार तलाशी लेने पर कुल 23 कट्टों में 425 किलो 700 ग्राम अवैध डोडाचूरा पोस्त, एक 12 बोर पम्प एक्शन गन मय 7 कारतूस और फर्जी नंबर प्लेटें जब्त की गईं।

इस संबंध में पुलिस थाना डेगाना पर एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान शुरू कर दिया गया है। गिरफ्तार अभियुक्त अमृतलाल से पूछताछ जारी है, जबकि फरार आरोपियों भोपालराम पंवार, गणेश बेनिवाल और इस मामले से जुड़े एक अन्य वांछित निम्बाराम पुत्र मोहनराम निवासी जसनाथपुर, खींवसर की तलाश में पुलिस टीमें लगातार दबिश दे रही हैं। पुलिस टीम द्वारा इस तस्करी नेटवर्क के जड़ों तक पहुंचने के लिए गहन अनुसंधान जारी है।

इस कार्रवाई में डीएसटी के कांस्टेबल संजीव धायल और सुरेश का विशेष योगदान रहा।

चांदी एक दिन में 3,642 महंगी हुईः 1.62 लाख प्रति किलो बिक रही; सोना 1.26 लाख प्रति 10 ग्राम पर आया

24 न्यूज अपडेट

सोना के दाम में आज यानी 27 नवंबर को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार 10 ग्राम सोना 24 रुपए सस्ता होकर 1,26,057 रुपए पर आ गया है। कल 10 ग्राम सोना 1,26,081 रुपए का था।

वहीं, चांदी 3,642 रुपए महंगी होकर 1,62,667 रुपए पर पहुंच गई है। इससे पहले चांदी की कीमत 1,59,025 रुपए प्रति 10 ग्राम थी। 17 अक्टूबर को सोने ने 1,30,874 रुपए और 14 अक्टूबर को चांदी ने 1,78,100 रुपए का ऑल टाइम हाई बनाया था।

22 दिन में 7 राज्यों में 25 बीएलओ की मौतः मध्य प्रदेश में सबसे ज्यादा 9 लोगों की जान गई, UP-गुजरात में 4-4 मौतें

24 न्यूज अपडेट

देश के 12 राज्यों में 51 करोड़ से अधिक मतदाताओं के घर दस्तक दे रहे 5.32 लाख से अधिक बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) पर काम के दबाव का आरोप लग रहा है। SIR प्रोसेस के दौरान 22 दिनों में 7 राज्यों में 25 बीएलओ की मौत हो गई है।

वहीं, तृणमूल कांग्रेस ने केवल पश्चिम बंगाल में 34 लोगों की मौत का दावा किया। इन मौतों पर बंगाल, एमपी, राजस्थान, यूपी में सियासत जोरों पर है। दूसरी ओर निर्वाचन आयोग जिला और राज्यों की रिपोर्ट के इंतजार में है। आयोग के सूत्रों का कहना है कि अब तक किसी काम के दबाव से किसी मौत की पुष्टि नहीं हुई है।

पश्चिम बंगाल के मंत्री अरुप बिस्वास ने कहा है कि SIR के चलते राज्य में 34 लोगों ने जान दी। सीएम ममता बनर्जी ने कहा कि इसका उद्देश्य 'पीछे के दरवाजे से एनआरसी लागू करना' और डर पैदा करना है।

वहीं भाजपा आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने कहा कि TMC के दबाव में फर्जी और संदिग्ध नाम जोड़े जा रहे हैं।

राजस्थान में बारिश का अलर्ट, फिर सर्दी बढ़ेगीः बिहार में कोहरे से 52 ट्रेन कैंसिल, 14 फ्लाइट्स लेट; MP में सर्दी से 2 की मौत

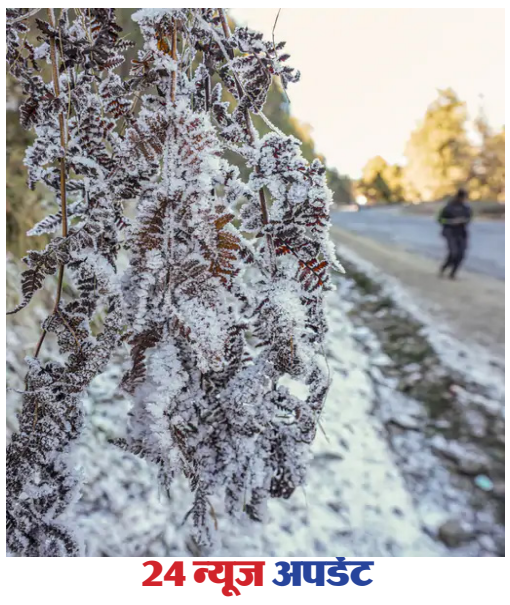

24 न्यूज अपडेट

पहाड़ी राज्यों में तापमान लगातार शून्य से नीचे जा रहा है। वहां से आ रही सर्द हवाओं से मैदानी इलाकों में भी ठिठुरन बढ़ने लगी है। हरियाणा के 17 शहरों में बुधवार को तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे चला गया। नारनौल में सबसे कम 5.5 डिग्री तापमान रहा।

मध्य प्रदेश के नौगांव, मुरैना, रीवा, दतिया, चित्रकूट, खजुराहो और सीधी में तापमान 10 डिग्री से कम दर्ज किया गया। रीवा और रायसेन में पिछले दिनों भीषण सर्दी से दो लोगों की मौत हो गई। भोपाल सहित प्रदेश के कई इलाकों में दो दिन से घनी धुंध और बादल छाए हैं।

राजस्थान के उदयपुर, भीलवाड़ा और अजमेर सहित 7 जिलों में गुरुवार को बारिश के आसार हैं। राज्य के 11 शहरों में बुधवार को 10 डिग्री से कम तापमान दर्ज किया गया। फतेहपुर में सबसे कम, 2.9 डिग्री तापमान रहा।

बिहार में कड़ाके की सर्दी के साथ घना कोहरा लोगों की मुसीबतें बढ़ा रहा है। बुधवार को 8 जिलों में तापमान 9 से 15 डिग्री के बीच रहा। बक्सर में पारा सबसे कम, 9.6 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। पटना एयरपोर्ट पर बुधवार को कोहरे के कारण 14 फ्लाइट्स लेट हो गईं। 52 ट्रेनें कैंसिल करनी पड़ी। इनमें 20 ट्रेन पटना से खुलने और गुजरने वाली थीं।

शेयर मार्केट 14 महीने बाद ऑलटाइम हाई पर पहुंचाः सेंसेक्स ने 86,055 का लेवल छुआ, 110 अंक बढ़कर 85,720 के स्तर पर बंद

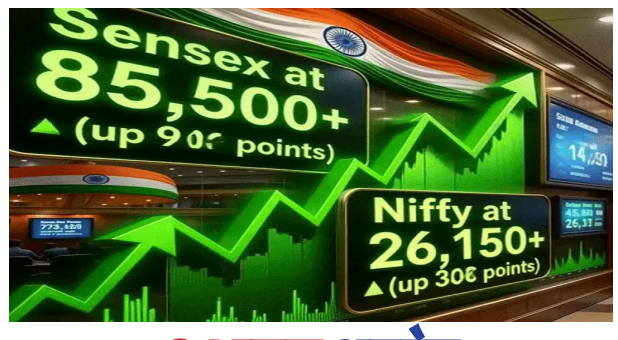

24 न्यूज अपडेट

शेयर मार्केट आज यानी 27 नवंबर को 14 महीने बाद ऑल टाइम हाई पर पहुंच गया। निफ्टी ने कारोबार के दौरान 26,310 और सेंसेक्स ने 86,055 का लेवल छुआ। इससे पहले सेंसेक्स ने 27 सितंबर 2024 को 85,978 और निफ्टी ने 26,277 का ऑलटाइम हाई बनाया था।

हालांकि बाद में ये नीचे आया। सेंसेक्स केवल 110 अंक की तेजी के साथ 85,720 पर बंद हुआ है। वहीं निफ्टी में 10 अंक की तेजी रही। ये 26,215 पर बंद हुआ। निफ्टी के ऑटो, फाइनेंस और बैंकिंग शेयर्स में तेजी रही। वहीं IT और रियल्टी सेक्टर में गिरावट आई।

भारत का पहला प्राइवेट ऑर्बिटल रॉकेट तैयारः 300 किलो तक के सैटेलाइट अंतरिक्ष में ले जाएगा; मोदी ने उद्घाटन किया, अगले साल लॉन्चिंग

24 न्यूज अपडेट

पीएम मोदी ने गुरुवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए भारत के पहले प्राइवेट ऑर्बिटल रॉकेट विक्रम-I को दुनिया के सामने रखा। इस रॉकेट की ऊंचाई 26 मीटर यानी करीब 85 फीट है। रॉकेट को प्राइवेट स्पेस कंपनी स्काईरूट एयरोस्पेस ने बनाया है। इस रॉकेट को 2026 में लॉन्च किया जाएगा। यह अपने साथ 300 किग्रा सैटेलाइट ले जाने में सक्षम है।

पीएम ने रॉकेट के अलावा कंपनी के नए इनफिनिटी कैंपस का भी इनॉगरेशन किया। इस कैंपस में कई लॉन्च व्हीकल के डिजाइन, डेवलपमेंट, इंटीग्रेशन और टेस्टिंग का काम किया जाएगा। कैंपस तेलंगाना के हैदराबाद में बना है। कंपनी का हेड ऑफिस भी यहीं है।

स्काईरूट एयरोस्पेस कंपनी की स्थापना पवन चंदना और भरत ढाका ने 2018 में की थी। यह दोनों IIT पासआउट हैं और ISRO के पूर्व साइंटिस्ट रह चुके हैं।

संपादकीय : न्याय की उम्मीद

पिछले कुछ वर्षों से देश के विभिन्न हिस्सों में हिरासत में मौत की घटनाओं का मसला चिंताजनक रूप से उभर कर सामने आया है। जांच एजेंसियों का काम आपराधिक मामलों में आरोपियों को न्याय के कठघरे में लाना है। दोष साबित करने के लिए सबूत जुटाने की जिम्मेदारी भी उन्हीं की होती है। ऐसे में आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ करना जांच प्रक्रिया का हिस्सा है। मगर इस दौरान आरोपी की सुरक्षा का दायित्व भी संबंधित जांच एजंसी का ही होता है । सवाल है कि अगर पुलिस या अन्य जांच एजंसियां अपने इस दायित्व को सही तरीके से निभा रही हैं, तो आए दिन हिरासत में मौत के मामले क्यों सामने आ रहे हैं ? जांच प्रक्रिया में पारदर्शिता क्यों नहीं बरती जा रही है। जाहिर है कि इस मामले में कहीं न कहीं लापरवाही और मनमानी की जा रही है, जिस पर सर्वोच्च न्यायालय ने भी कड़ा संज्ञान लिया है। शीर्ष अदालत ने राजस्थान में आठ माह के भीतर पुलिस हिरासत में ग्यारह लोगों की मौत हो जाने का हवाला देते हुए मंगलवार को कहा कि हिरासत में हिंसा एवं मौत व्यवस्था पर एक धब्बा है और देश अब इसे बर्दाश्त नहीं करेगा। यह सच है कि लोग जांच एजंसियों पर कम और न्यायपालिका पर ज्यादा भरोसा करते हैं। मगर न्याय प्रक्रिया शुरू होने से पहले ही अगर किसी आरोपी की हिरासत में मौत हो जाती है, तो निश्चित रूप से न्याय की भावना को चोट पहुंचती है। सर्वोच्च न्यायालय ने मानवाधिकारों के हनन को रोकने के लिए वर्ष 2018 और 2020 में अलग- अलग आदेशों में पुलिस थानों, केंद्रीय जांच ब्यूरो प्रवर्तन निदेशालय और राष्ट्रीय जांच एजेंसी सहित अन्य जांच एजंसियों के कार्यालयों में सीसीटीवी कैमरे तथा रिकार्डिंग उपकरण लगाने को कहा था। इस व्यवस्था से जांच प्रक्रिया में पारदर्शिता आना स्वाभाविक था, लेकिन इस पर अमल करने में भी कई स्तरों पर कोताही बरती जा रही है । कई पुलिस थानों में सीसीटीवी न लगे होने या उनके बंद होने की खबरें अक्सर आती रहती हैं। इससे स्पष्ट है कि जांच एजेंसियां हिरासत में मानवाधिकारों की रक्षा को लेकर गंभीर नहीं हैं। शीर्ष अदालत ने इस मसले पर भी संज्ञान लिया है और अब तक अनुपालन हलफनामे दाखिल नहीं करने वाले राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों को इसके लिए तीन सप्ताह का समय दिया है। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की एक रपट के मुताबिक, वर्ष 2017-2022 तक पांच वर्षों में देश भर में पुलिस हिरासत में 669 लोगों की मौत हुई। यह स्थिति पुलिस हिरासत में लोगों की सुरक्षा को लेकर वास्तव में गंभीर चिंता पैदा करने वाली है। इस तरह के मामलों में शारीरिक प्रताड़ना, जरूरी चिकित्सा सेवाएं मुहैया न कराना या आत्महत्या जैसे कारण हो सकते हैं। नियमानुसार किसी भी मामले की जांच के दौरान मानवाधिकारों का हनन नहीं होना चाहिए, लेकिन इस तरह की शिकायतें आए दिन सामने आती रही हैं। ऐसे में इस बात पर गौर करना जरूरी है कि हिरासत में मौत की घटनाओं पर अंकुश लगाने की जिम्मेदारी सिर्फ न्यायालय की नहीं है, बल्कि केंद्र और राज्यों सरकारों को भी इस पर तत्परता एवं गंभीरता दिखानी होगी। संबंधित कानूनों और न्यायालय के निर्देशों पर प्रभावी तरीके से अमल हो, इसका दायित्व सरकार का ही है। अगर हिरासत में किसी व्यक्ति की मौत होती है तो उसके लिए जवाबदेही तय कर दोषी कर्मियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जानी चाहिए।

सोने की चमक

सोने के आभूषणों की चाहत हर किसी को होती है। मगर इसकी कीमतों में आए दिन जिस तरह का उछाल देखने को मिल रहा है, उससे समाज का एक बड़ा वर्ग सोने की खरीदारी करने की हैसियत से बाहर होता जा रहा है। दिल्ली के सर्राफा बाजार में बुधवार को सोना बारह सौ रुपए की छलांग लगा कर दो सप्ताह के उच्चतम स्तर एक लाख तीस हजार रुपए प्रति दस ग्राम के पार चला गया। मगर सवाल है कि सोने के दाम लगातार नई ऊंचाइयों को क्यों छू रहे हैं ? असल में संस्थागत निवेशकों, बड़े आभूषण कारोबारियों, खुदरा विक्रेताओं और आर्थिक रूप से संपन्न लोगों की जबर्दस्त खरीदारी इसका एक बड़ा कारण है। इससे मांग बढ़ रही है और आपूर्ति कम होने से दाम आसमान छू रहे हैं। शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव, बैंकों की जमा ब्याज दरों में कमी और वैश्विक अनिश्चितता के कारण भी सोने की मांग बढ़ रही है। यह सच है कि कुछ लोग सोने की खरीदारी को सुरक्षित निवेश मान रहे हैं, लेकिन इसके बढ़ते दामों का बाजार और अर्थव्यवस्था पर दूरगामी प्रभाव पड़ सकता है। यह एक नया परिदृश्य है, जिसमें सोने को अब सुरक्षित और स्थिर निवेश के रूप में देखा जा रहा है। जबकि वित्तीय निवेश तंत्र और मुद्रा में लोगों का भरोसा घट रहा है। दुनियाभर में अस्थिरता का असर भी सोने की कीमतों पर पड़ा है। केंद्रीय बैंक सोने की ज्यादा खरीदारी कर रहे हैं। उनकी अपनी चिंताएं हैं। डालर के मुकाबले रुपया कमजोर हो रहा है। तमाम आशंकाओं और अनिश्चितता की पृष्ठभूमि में अगर सोने की खरीदारी बढ़ रही है, तो इसके पीछे की चिंता को समझा जा सकता है। लोगों को लगता है कि अन्य निवेश के मुकाबले सोने में फायदा है। इसके दाम अंतरराष्ट्रीय बाजार से तय होते हैं, लिहाजा इसमें किसी का सीधा हस्तक्षेप संभव नहीं है। मगर वैकल्पिक बंदोबस्त किए जा सकते हैं। जब-जब सोने के दाम बढ़ते हैं, महंगाई भी बढ़ती जाती है चिंता की बात है कि सरकार इसे गंभीरता से लेती नहीं दिख रही है, जबकि सोने में तेजी महंगाई बढ़ने का ही संकेत है।

सांसद ने दबाई चम्पाबाग की दुखती रग, अब क्या करेगी 'नगर सेठ भाई साहब'की जमीनखोर लॉबी और चरणवंदना में बिछी ब्यूरोक्रेसी!!! भाजपा की जमीनी जंग अब दिखाएगी रंग

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। मोहनलाल सुखाड़िया विश्चंवविद्यालय की चंपाबाग की कब्जाई व जबरन हथियाई जमीन के मामले में सांसद मन्नालाल रावत ने मोर्चा खोला है, सीएम को पत्र लिख कर, जमीन को फिर से विश्वविद्यालय को दिलाने की मांग कर दी है। इस मांग से राजनीतिक भूचाल आ गया है क्योंकि खुद भाजपा में ही बरसों से मलाई खा रही जमीनखोर लॉबी इससे असहज हो गई है। उनकी सरपरस्ती में पनप रहे जमीन माफिया और खास प्रशासनिक लॉबी को सूझ ही नहीं रहा कि अब करें तो क्या करें?? कोई बाहर का व्यक्ति मांग उठाता तो अब तक सब मिल कर उस पर पिल पड़ते, जैसे प्रोफेसर अमेरिकासिंह के मामले में हुआ था, मगर यहां तो अंदरखाने से उठी आवाज का जवाब देना बहुत भारी पड़ रहा है। नेताओं की गोद में बैठे कुछ प्रशासनिक अफसर भी इस मांग से असहज हो गए हैं। वे नगर सेठ भाई साहब की लॉबी की मानें या फिर नई बयार के साथ चलें??

सबसे बड़ा प्रश्न वही, 44 साल से कब्जे आखिर बचा कौन रहा है?

कोर्ट के आदेश स्पष्ट हैं, ऑडिट की रिपोर्ट चेतावनी दे रही है, सांसद खुलकर बोल रहे हैं- फिर भी कब्जे हट नहीं रहे। अब उदयपुर में सिर्फ एक ही सवाल गूंज रहा है- आखिर किसके प्रभाव के कारण 4,000 करोड़ की विश्वविद्यालय भूमि पर कार्रवाई नहीं हो पा रही है? कौन-सी अदृश्य शक्ति इस कार्रवाई को रोक कर बैठी है?

सबको पता है कि अब तक भाजपा में ही नगर सेठ

भाई साहब की जमीन वाली पावरफुल लॉबी और उनके सिपहसालार इस मुद्दे पर कुंडली मार कर बैठे थे। जग जाहिर तथ्य है कि पूर्व कुलपति प्रोफेसर अमेरिकासिंहजी के खिलाफ चंपाबाग की जमीन को लेकर किसने मोर्चा खोला, किस तरह से भाई साहब के दखल पर भाजपा—कांग्रेस के दिग्गज जमीनखोर एक हुए और प्रोफेसर अमेरिकासिंह को एक अन्य मामले में उलझाते हुए ऐसे हालाता पैदा कर दिए कि उन्हें उदयपुर से ही विदाई लेनी पड़ गई। तब राज्यपाल के आदेश आए संभागीय आयुक्त के नाम कि जमीन को खाली करवाओ, कोर्ट के आदेश की तामील करवाओ, मगर हुआ क्या?? भाई साहब की तूती बोलती थी, ब्यूरोक्रेसी में किसकी हिम्मत की कार्रवाई कर दे, सो जमीन पर 44 साल से कब्जा बरकरार है। एनएसयूआई ने बोर्ड लगवाए कि जमीन सुविवि की है, मगर बोर्ड लगवाने वालों को ऐसा धमकाया गया कि बाद में वे विरोध का झंडा ही बुलंद नही कर पाए। जमीन वाली लॉबी को भाई साहब ने उसके बाद आशीर्वाद देते हुए साफ कह दिया कि चाहे अमेरिकासिंह आ जाए या काई ओर, चम्पाबाग का बाल बांका नहीं होने वाला है। कोर्ट का क्या है, आदेश आते—जाते रहते हैं। अफसर मैनेज हैं, दोनों दलों के लोकल नेता मैनेज हैं फिर फिकर नोट।

मगर भाजपा उदयपुर की नई कार्यकारिणी बनने के बाद से बयार ही बदल गई है। भाई साहब की लॉबी एकदम दरकिनार कर दी गई है। पार्टी में एकदम विचार बन गया है कि आखिर कब तक दूर संवेदी उपग्रहों की सेवाओं से नेटवर्क चलाएंगे। जबकि लोकल नेटवर्क की सेवाएं ही उससे ज्यादा क्वालिटी वाली मिल रही है। उपग्रह वाले संकेतों की काट होते ही अब खुद दूर संवेदी संदेश भेजने वालों पर संकट आ गया है। ऐसे में चंपाबाग का नाम आते ही उदयपुर में राजनीति की मिट्टी फिर हिल गई है। सविना एक्सटेंशन का विवाद अभी ठंडा भी नहीं पड़ा है और जमीनखोर नेता एक् के बाद एक एक्सपोज होकर पार्टी की छवि को बट्टा चूना लगा रहे हैं, ऐसे माहौल में चंपाबाग प्रकरण से भाजपा के भीतर एक और भू-राजनीतिक भूकंप महसूस किया जा रहा है। कोई इसे टेक्टोनिक प्लेट के सरकने जैसा कह रहा है। एक प्लेट सरक कर दूर जा रही है और उससे बने नए भूभाग में लगातार भूकंप के झटके व जीवित ज्वालामुखी जैसी राजनीतिक घटनाएं होने लगी हैं।

सांसद का ब्यूरोक्रेसी को साफ संकेत- कठपुतली बनने से काम नहीं चलेगा

सांसद डॉ. मन्नालाल रावत जो खुद सुविवि से पीएचडी कर चुके हैं। उन्होंने 4,000 करोड़ रुपये मूल्य वाली चम्पाबाग जमीन पर 44 साल से बने अवैध कब्जों का मुद्दा उठाकर एक बार फिर यह संदेश दे दिया कि वे पार्टी संगठन में चल रही अंदरूनी हलचलों से बेखौफ हैं। व उसमें नगर सेठ भाई साहब के बनाए किलों को ढहाते हुए खुद अपनी नई धारदार उपस्थिति दर्ज करवाना चाहते हैं। नई जिला कार्यकारिणी के बाद माना जा रहा था कि 'पुराने युग' का अवसान शुरू हो चुका है, मगर उसकी चाल इतनी तेज होगी, यह अब साफ दिखाई दे रहा है। अब सांसद ने जमीन के मसले को उठाकर भाजपा के भीतर शक्ति-संतुलन को केलकुलेटेड रूप से सीधी चुनौती दे दी है। सांसद हमेशा अपनी बातचीत में इको सिस्टम की बात करते हैं तो उन्हीं के शब्दों को काम में लेकर कह सकते हैं कि उदयपुर भाजपा के अंदर अस्तांचलगामी इको सिस्टम को पूरी तरह से छिन्न—भिन्न करने का खेल शुरू हो गया है। अब नया इको सिस्टम बनेगा जिसमें नए सूरमाओं की ताजपोशी होगी। तब तक की रस्साकशी का दौर भी अंदरखाने शुरू हो गया है।

महा ढीठ है प्रशासन, हाईकोर्ट के आदेश नही मानता

सांसद के आंकड़ों को मानें तो सबसे बड़ा सवाल यही है कि हाई कोर्ट के साफ आदेश के बावजूद कब्जे हटाने की कार्रवाई आखिर किसके प्रभाव के कारण रुकी हुई है? यह वही इलाका है, जहां बीते वर्षों में कुछ भू-व्यवसायियों ने राजनीतिक संरक्षण में अपना साम्राज्य खड़ा किया। कहा यह भी जाता है कि इन्हीं 'नगर सेठ भाई साहब' की मंशा से सौ फीट वाली रोड की कमर टूट गई वो सर्पिलाकार हो गई। कई खास लोगों की जमीनें बचा ली गईं। आज जब भी जानकार वहां से गुजरते हैं तो शहर के दुर्भाग्य को कोसना नहीं भूलते।

शासन चाहे जिसका हो, सेटिंग हमेशा रही तगड़ी

चंपाबाग की जमीन के मामले की खासियत यह रही कि राजस्थान में शासन चाहे किसी पार्टी का रहा हो, नगर सेठ भाई साहब की कृपा से जमीन माफिया को कोई परेशानी नहीं हुई। जमीन पर बिछाई इनकी बिसात पॉलिटिकल लेंड माइन जैसी रही। जिस जिस ने पांव धरा, वो विदाई का गीत गाता हुआ गुमनामी में चला गया। प्रोफेसर अमेरिकासिंह इसका जीता जागता उदाहरण है। सुविवि का कुलपति अगर चंपाबाग की जमीन का मामला नहीं उठाएगा तो कौन उठाएगा?? सरकार कांग्रेस की थी, धरना भाइपाइयों का हुआ, और अंत में विदाई कुलपति की हो गई। जमीनखोर लोग सेठजी भाई साहब की कृपा से वहीं के वहीं कायम रहे। अब सांसद ने इस स्थापित सत्ता-संरचना पर उंगली उठाई है। चलताउ भाषा में कहें तो उंगली कर दी है। तो भाजपा के भीतर नई खेमेबंदी खुलकर सामने आ गई है।

44 साल का विवाद-4,000 करोड़ की यूनिवर्सिटी भूमि अब भी कब्जे में

उदयपुर की चम्पाबाग क्षेत्र स्थित 14.5900 हेक्टेयर जमीन को राज्य सरकार ने 3 अक्टूबर 1981 को राजस्थान भूमि अधिग्रहण अधिनियम, 1953 की धारा 4(1) के तहत मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के विकास कार्यों के लिए अधिग्रहित किया था। अधिसूचना 30 अक्टूबर 1981 को राजपत्र में प्रकाशित की गई। आज के बाजार मूल्य के अनुसार कीमत 4,000 करोड़ रुपये तक पहुंच चुकी है। चार दशकों में लगातार अवैध कब्जे बनाए, निर्माण किए, और मामला अदालतों में उलझा दिया।

नेताओं के मोहपाश में बंधे अफसर, कहीं खानी ना पड़े जेल की हवा

लंबी कानूनी लड़ाई के बाद 30 मई 2024 को राजस्थान हाई कोर्ट की खंडपीठ ने बड़ा फैसला देते हुए— भूमि को विश्वविद्यालय की वैध संपत्ति माना, सभी स्थगन आदेश, अपीलें और याचिकाएं खारिज कीं, और कब्जा विश्वविद्यालय को देने का आदेश सही ठहराया। इसके बावजूद जमीन विश्वविद्यालय को नहीं सौंपी गई— प्रशासनिक कार्रवाई अब भी अधर में है। सांसद का सीधा सवाल—कोर्ट आदेश की अवमानना क्यों? उदयपुर सांसद डॉ. मन्नालाल रावत ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को पत्र लिखते हुए कहा कि—अवैध कब्जे हाई कोर्ट के आदेश की खुली अवमानना हैं,जिला प्रशासन धारा 5(ए) के तहत कार्रवाई नहीं कर रहा, विश्वविद्यालय की उदासीनता विकास को रोक रही है, और 4,000 करोड़ की सार्वजनिक संपत्ति हित समूहों के कब्जे में पड़ी है। स्थानीय निधि अंकेक्षण विभाग (LFA) की नवीनतम ऑडिट रिपोर्ट में भी चम्पाबाग भूमि विवाद को प्रमुख अनियमितता बताया गया। रिपोर्ट ने साफ लिखा कि— भूमि का हस्तांतरण न होना, अवैध कब्जों को न हटाया जाना, और कोर्ट आदेश की अनुपालना न होना, विश्वविद्यालय की दीर्घकालिक विकास योजनाओं को पूरी तरह रोक रहा है।

भाजपा में बदली हवा-पुराने गुट पर सीधी चोट

उदयपुर की भाजपा की स्थानीय राजनीति में बड़ा संकेत है कि 40 वर्षों से चले आ रहे 'पुराने संरक्षक तंत्र' का प्रभाव अब शून्य की ओर बढ़ रहा है। अब चम्पाबाग भूमि विवाद पर सांसद की सक्रियता से अंदरखाने की बेचैनियां आने वाले दिनों में साफ दिखाई देगी। 'नगर सेठ भाई साहब' और उनके प्रभावशाली भू-नेटवर्क को अब हर मोर्चे पर जवाब देना भारी पड़ जाएंगा। प्रोफेसर अमेरिकासिंह से निपटने के लिए पूरी पार्टी को झोंक दिया गया, अंत में जिलाध्यक्ष को कहना पड़ा कि—हम भी ठाले—भुले नहीं है, हमारे पास भी काम है। मगर अब सांसद के खिलाफ कौन मोर्चा लेगा यह देखना दिलचस्प होगा। सांसद के पास पावर्स हैं। वे चाहते तो सीधे स्थानीय प्रशासन को आदेश दे सकते थे मगर उन्होंने सीएम को पत्र लिख कर बता दिया कि वे भी थ्रू प्रोपर चैनल चल रहे हैं। हां, यह बात अलग है कि अब तक सांसद इस मुद्दे पर खामोश क्यों रहे?? और अभी ऐसा कौनसा शुभ मुहूर्त निकला कि 44 साल से बोतल में बंद जिन्न को जगाना पड़ गया?? क्या उनके माध्यम से कहीं किसी ने इस जिन्न को तो बोतल से बाहर नहीं निकलवाया?? यह भी राजनीतिक विश्लेषण का विषय है।

पिता को न्याय दिलाने की लड़ाई से टूटा बेटा, एमबी अस्पताल में भर्ती, बोला-मेरे और परिवार पर कर दिए झूठे मुकदमे!!

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर के शेफ मुकेश कुमार मेनारिया से जुड़े विवाद ने मंगलवार को नया मोड़ ले लिया, जब उनके बेटे विष्णु मेनारिया ने भारी मानसिक दबाव के चलते विषाक्त पदार्थ का सेवन कर आत्महत्या का प्रयास किया। परिजन उन्हें तुरंत एमबी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उनका इलाज जारी है। ट्वंटी फोर न्यूज अपडेट से बातचीत में अस्पताल में भर्ती विष्णु मेनारिया ने पिता के अपहरण, विदेश में चल रहे विवाद, और लगातार बढ़ते मुकदमों से टूटकर खुद को यह कदम उठाने के लिए मजबूर बताया। उसने कहा कि "2017 में पिताजी विदेश गए थे। पंकज ओसवाल और उसके परिवार ने मेरे पापा को विदेश में किडनेप कर लिया व बहुत संघर्ष के बाद हम उन्हें सही-सलामत भारत लेकर आ सके। इसके बाद से ही पंकज ओसवाल ने हमारा जीना हराम कर दिया है।" विष्णु के अनुसार पंकज ओसवाल और उनके परिवार ने उनके तथा परिवार के खिलाफ झूठे मुकदमे दायर किए। दिल्ली और यूपी में कई केस चल रहे हैं। सांसद सीपी जोशी पर मानहानि की धमकी तक दी गई है। ओसवाल परिवार की ओर से लगातार मानसिक, कानूनी और आर्थिक दबाव बनाया जा रहा है। "मैं परेशान हो गया हूँ। मेरे ऊपर और मेरी मां के ऊपर लगातार केस हो रहे हैं। मैं मानसिक रूप से टूट गया हूँ, इसलिए मैंने यह कदम उठाया।" आपको बता दें कि जब मुकेश मेनारिया विदेश में काम पर गए थे, तो दो महीने तक उनका परिवार उनसे संपर्क नहीं कर पाया था। तब परिवार ने आरोप लगाया था कि दिल्ली निवासी उद्योगपति पंकज ओसवाल, जो उन्हें स्विट्जरलैंड काम पर ले गया था, उसने या तो उनकी हत्या करवा दी, या उन्हें कहीं बंधक बना रखा है।

उस समय बेटे विष्णु मेनारिया ने पुरजोर आवाज बुलंद कर पिता की घर वापसी का रास्ता समाज व जन प्रतिनिधियों के सहयोग से प्रशस्त किया। विष्णु ने बताया कि पिता को वापस लाने के बाद भी ओसवाल परिवार द्वारा लगातार की जा रही कानूनी कार्रवाई, धमकियाँ और उत्पीड़न पूरे परिवार को मानसिक रूप से तोड़ चुका है। अस्पताल सूत्रों के अनुसार विष्णु मेनारिया की हालत स्थिर लेकिन चिंताजनक है। पुलिस को घटना की सूचना दे दी गई है और बयान दर्ज किए जा रहे हैं।

ओलम्पिक खेल ''लैक्रो'' के लिए राज्यपाल ने राजस्थान के खिलाड़ियों को दी आर्थिक सौगात-राज्यपाल विवेकाधीन निधि से राज्य के खिलाड़ियों को 10.20 लाख की वित्तीय सहायता

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर । राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे ने अपने विवेकाधीन निधि से राज्य के खिलाड़ियों के राष्ट्रीय और अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन के लिए 10.20 लाख रूपये की वित्तीय सहायता प्रदान की है। यह राशि उन्होंने ओलम्पिक खेल ''लैक्रोस'' के जम्मू में आगामी 5 से 7 दिसम्बर को हो रहे द्वितीय फेडरेशन कप में भाग ले रहे खिलाड़ियो के लिए प्रदान की गई है। श्री बागडे ने लैक्रोस खेल के आगामी लॉस एन्जिल्स ओलम्पिक-2028 में सम्मिलित होने पर प्रसन्नता जताते हुए राजस्थान के खिलाड़ियों को अभी से वहां सभी वर्गों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए तैयारी करने का आह्वान किया है। राज्यपाल के सचिव डॉ. पृथ्वी ने बताया कि राज्यपाल श्री बागडे ने अपने विवेकाधीन कोटे से राज्य के महिला और पुरूष वर्ग में भाग लेने वाले उदयपुर संभाग के 28 खिलाड़ियों के लिए यह राशि प्रदान करने की स्वीकृति दी है। इससे खिलाड़ियों को प्रोत्साहन मिलेगा और वे ओलम्पिक में अधिक बेहतर प्रदर्शन के लिए अभी से अपने आपको तैयार कर पाएंगे। उल्लेखनीय है कि राज्यपाल श्री बागडे ने इससे पहले भी 'लैक्रोस'' खिलाड़ियों को आर्थिक सहायता प्रदान की थी। उन्होंने स्वयं खिलाड़ियों से मिलकर उन्हें राजस्थान को खेलों में अग्रणी करने के लिए प्रोत्साहित किया था। उन्होंने ''तृतीय राष्ट्रीय लैक्रोस'' प्रतियोगिता 2025-2026 के लिए भी राजस्थान के खिलाड़ियों को प्रोत्साहन देते हुए विवेकाधीन कोटे से 10 लाख रूपये की अनग्रह राशि लैक्रोस एसोसिएशन ऑफ इण्डिया को हस्तातंरित की थी। इस आर्थिक सहयोग और प्रोत्साहन से ही लैक्रोस की राजस्थान टीम ने विभिन्न वर्गों में अधिकृत 6 सभी प्रतियोगिताओं में पदक प्राप्त किए थे। राजस्थान को इसके कारण पांच स्वर्ण, एक कांस्य पदक प्राप्त हुआ। राज्यपाल के सहयोग से ही प्रदेश की 9 महिला और 5 पुरूष, कुल 14 स्थानीय खिलाड़ी आगामी एशियाई खेलों में भाग लेने के लिए भारतीय टीम में चयनित हुए हैं।

लॉरेंस बिश्नोई गैंग को बड़ा झटकाः 25,000 का इनामी 6161 गैंग सरगना प्रदीप गुर्जर गुड़गांव से गिरफ्तार

24 न्यूज अपडेट

जयपुर 27 नवंबर। एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स राजस्थान की टीम ने एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम देते हुए लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े एक सक्रिय सदस्य और हार्डकोर बदमाश प्रदीप गुर्जर को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी प्रदीप पुत्र दाता राम निवासी रावतों की ढाणी वार्ड नंबर 15 कोटपूतली का रहने वाला है। उसे गुड़गांवा की एक पॉश सोसायटी से गिरफ्तार किया गया।

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस एजीटीएफ श्री दिनेश एमएन ने बताया कि हार्डकोर बदमाश प्रदीप गुर्जर कुख्यात 6161 गैंग का सरगना है। यह गैंग मुख्य रूप से हाईवे पर स्थित होटल संचालकों को निशाना बनाकर उनसे जबरन रंगदारी वसूलने के लिए कुख्यात है। एजीटीएफ की यह कार्रवाई राज्य में संगठित अपराध और लॉरेंस बिश्नोई नेटवर्क के खिलाफ एक महत्वपूर्ण सफलता मानी जा रही है।

इस गैंग का इतिहास भीलवाड़ा में हरी तंवर से शुरू हुआ था, जिसकी कमान बाद में विनोद मांडली और फिर उसकी हत्या के बाद प्रदीप रावत ने संभाल ली थी। प्रदीप गुर्जर गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के सहयोगी सचिन थापन के लिए एक सक्रिय कड़ी के रूप में काम कर रहा था। वह कोटपूतली, बहरोड, बानसूर, भीलवाड़ा और गुड़गांवा के युवकों को संगठित कर रहा था।

दहशत का तरीका, फायरिंग और रंगदारी

इस गैंग का मुख्य कार्य हाईवे पर स्थित होटलों पर अंधाधुंध फ़ायरिंग कर दहशत फैलाना। इसके बाद ये व्यापारी को धमकी भरी पर्ची भेजकर रंगदारी और फिरौती की मांग करते थे। प्रदीप पर रंगदारी, बैंक लूट, डकैती, हत्या और हत्या के प्रयास जैसे तीन दर्जन से अधिक संगीन अपराधों के मुकदमे दर्ज हैं। सात आपराधिक मुकदमों में फरार चलने के कारण एसपी कोटपुतली द्वारा उसकी गिरफ्तारी पर 25,000 का इनाम घोषित किया गया था।

एजीटीएफ का सटीक ऑपरेशन

एडीजी श्री दिनेश एमएन के निर्देशन में और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सिद्धांत शर्मा के सुपरविजन में एक विशेष टीम को इस हार्डकोर बदमाश को पकड़ने का जिम्मा सौंपा गया। जिसका नेतृत्व इंस्पेक्टर राम सिंह द्वारा किया गया। टीम ने मुखबिरों को एक्टिव किया, जिसके बाद हेड कांस्टेबल सुधीर कुमार को उसके गुड़गांवा में होने की पुख्ता जानकारी मिली।

यह एक चुनौतीपूर्ण मिशन था, जहाँ टीम ने करीब 150 सीसीटीवी फुटेज खंगाले और रेकी की। आरोपी गुड़गांव के खेड़कीदोला थाना क्षेत्र की एक विशाल और लग्जरी सोसायटी एम आर पाम हिल के एक फ्लैट में छिपा हुआ था।

गार्ड बनकर रखी निगरानी

टीम ने सोसायटी के नाकों पर सदस्य तैनात किए और गार्ड बनकर हेड कांस्टेबल सुधीर ने अंदर पल-पल की जानकारी हासिल की। एजीटीएफ के लिए यह भूसे के ढेर में से सुई ढूंढने जैसा कठिन कार्य था। सटीक स्थिति का पता चलते ही टीम ने फ्लैट पर छापा मारा और गैंगस्टर प्रदीप रावत को घेर कर दबोच लिया। गुड़गांवा से गिरफ्तार कर आरोपी को एजीटीएफ टीम कोटपूतली लेकर आई है और उसे थाना पुलिस को सौंप दिया गया है। पुलिस द्वारा उससे गहनता से पूछताछ की जा रही है, जिससे कई अन्य मामलों के खुलासे की पूरी संभावना है।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सिद्धांत शर्मा और इंस्पेक्टर राम सिंह नाथावत के नेतृत्व में की गई इस कार्रवाई में गार्ड बनकर सूचना एकत्रित करने वाले हेड कांस्टेबल सुधीर कुमार की जहां विशेष भूमिका रही, वहीं हेड कांस्टेबल महेश सोमरा, हेमंत शर्मा, कांस्टेबल, जितेन्द्र कुमार और कांस्टेबल चालक दिनेश शर्मा का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा। टीम में एसआई बनवारी लाल शर्मा, प्रताप सिंह, हेड कांस्टेबल महावीर सिंह, कांस्टेबल देवेंद्र सिंह, गोपाल धाबाई, विजय सिंह, और गंगाराम भी शामिल थे।

ऑपरेशन चक्रव्यूह की बड़ी सफलताः प्रतापगढ़ पुलिस ने दो दिन में 89 लाख से अधिक का अवैध डोडाचूरा जब्त किया

24 न्यूज अपडेट

जयपुर 27 नवंबर। जिला पुलिस अधीक्षक प्रतापगढ़ बी. आदित्य के निर्देशन में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी पर नकेल कसने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान ऑपरेशन चक्रव्यूह के तहत प्रतापगढ़ पुलिस ने दो अलग-अलग कार्यवाहियों में भारी मात्रा में अवैध अफीम डोडाचूरा जब्त किया है। मात्र दो दिनों के भीतर हुई इन कार्यवाहियों में कुल 5 क्विंटल 94 किलोग्राम अवैध डोडाचूरा जब्त किया गया है, जिसकी अनुमानित बाजार कीमत लगभग 89 लाख 8 हजार रुपये है। पुलिस ने परिवहन में प्रयुक्त दो वाहन और एक मोटरसाईकिल जब्त करते हुए दो अभियुक्तों को भी गिरफ्तार किया है।

थाना प्रतापगढ़ की कार्रवाई : ट्रैक्टर-ट्रॉली से तस्करी गुरुवार 27 नवम्बर को ऑपरेशन चक्रव्यूह के तहत थानाधिकारी प्रतापगढ़ दीपक बंजारा मय टीम गत संचई से अखेपुर की ओर जाने वाले कच्चे रास्ते पर गश्त कर रहे थे। इस दौरान एक मोटरसाईकिल पर दो व्यक्ति स्कोर्टिंग करते दिखे, जिनमें से पीछे बैठा व्यक्ति पुलिस को देखकर खेतों की तरफ भाग गया। टीम ने मोटरसाईकिल चालक गोविन्द पुत्र मुकन मीणा निवासी अखेपुर को पकड़ा। पीछे आ रहे ट्रैक्टर-ट्रॉली चालक ने भी पुलिस को देखकर ट्रॉली छोड़कर खेतो में भाग गया। ट्रॉली की तलाशी लेने पर उसमें काले रंग के 17 कट्टों में कुल 3 क्विंटल 38 किलो 890 ग्राम अवैध डोडाचूरा पाया गया। पुलिस ने डोडाचूरा, परिवहन में प्रयुक्त ट्रैक्टर-ट्रॉली और स्कोर्टिंग में प्रयुक्त मोटरसाईकिल को जब्त कर अभियुक्त गोविन्द मीणा को गिरफ्तार किया। इस डोडाचूरा की अनुमानित कीमत 50 लाख 83 हजार रुपये बताई गई है। थाना जलोदा जागीर की कार्रवाई : टोचन की हुई कार से तस्करी इससे पूर्व बुधवार को थाना जलोदा जागीर की टीम ने भी एक विशेष कार्रवाई को अंजाम दिया। वृत्ताधिकारी वृत्त छोटीसादड़ी के मार्गदर्शन में एसएचओ मांगीलाल के नेतृत्व में टीम ने जलोदा जागीर से बम्बोरी जाने वाले रास्ते पर एक मारुति ईको कार के पीछे रस्सी से टोचन की गई एक टीयूवी-300 कार को संदिग्ध गतिविधि के आधार पर रोका। ईको कार चालक के रुकने का इशारा करते ही टोचन की हुई टीयूवी-300 से चालक और उसके साथ बैठा एक अन्य व्यक्ति भाग निकले। ईको चालक सुनील पुत्र रामलाल मेघवाल (25) निवासी चान्दोली को घेराबंदी कर पकड़ा गया। टीयूवी-300 की तलाशी लेने पर प्लास्टिक के 20 सफेद कट्टों में 2 क्विंटल 55 किलो 245 ग्राम अवैध अफीम डोडाचूरा जब्त किया गया। जब्त डोडाचूरा की अनुमानित कीमत 38 लाख 25 हजार रुपये है।

सरकार और संगठन में समन्वय बढ़ाने का भरसक प्रयास होः मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

24 न्यूज अपडेट

जयपुर, 26 नवम्बरः मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में उदयपुर संभाग स्तरीय भाजपा जिला पदाधिकारी एवं मण्डल अध्यक्षों की बैठक बुधवार को मुख्यमंत्री आवास, जयपुर में आयोजित की गई। बैठक में उदयपुर शहर जिला अध्यक्ष गजपाल सिंह राठौड़ के नेतृत्व में कुल 44 पदाधिकारी शामिल हुए। बैठक में मुख्यमंत्री ने सरकार के 2 साल पूरे होने के कार्यक्रमों पर फोकस करने के साथ संगठन और सरकार में समन्वय बढ़ाने पर जोर दिया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने बैठक की अध्यक्षता की, जबकि राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवारी, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अरुण चतुर्वेदी, अशोक परनामी, उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा उपस्थित रहे। प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच ने बैठक का संचालन किया। मीडिया प्रभारी डॉ. सीमा चंपावत के अनुसार बैठक में क्षेत्र की समस्याओं, विकास कार्यों की समीक्षा, सरकार की योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने, मतदाता विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान की प्रगति, आत्मनिर्भर भारत सम्मेलनों, सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती, यूनिटी मार्च और गंगा प्रवाह यात्रा जैसे कार्यक्रमों पर विस्तृत चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने एसआईआर में आने वाली दिक्कतों पर बीएलओ को सहयोग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बजट पर चर्चा के दौरान भाजपा जिला महामंत्री देवीलाल सालवी ने महाराणा भूपाल चिकित्सालय में कैंसर यूनिट शुरू करने, एमबी हॉस्पिटल में कैंसर डाक्टरों के पद सृजित करने, राजस्थान के आयुष्मान कार्ड को गुजरात में लागू कराने, वर्षाकाल में अतिवृष्टि के मुआवजे और टूटी सड़कों के जल्द मरम्मत सहित अन्य विकास कार्यों की मांग रखी। बैठक में उदयपुर से राज्यसभा सांसद चुन्नीलाल गरासिया, भाजपा उदयपुर शहर जिलाध्यक्ष गजपाल सिंह राठौड़, जिला प्रभारी बंशीलाल खटीक, महिला मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष सुनीता पिंकी मांडावत, जिला आपदा राहत विभाग के प्रदेश संयोजक डॉ. जिनेन्द्र शास्त्री, महामंत्री पारस सिंघवी, देवीलाल सालवी, डॉ. पंकज बोराणा, जिला उपाध्यक्ष जगदीश शर्मा, तख्तसिंह शक्तावत, करणसिंह शक्तावत, देवनारायण धाबाई, किरण तातेड, जिला मंत्री अशोक शर्मा, सिद्धार्थ शर्मा, सपना कुड़िया, हजारी जैन, अशोक नागदा, सत्यनारायण मोची, प्रवक्ता गोविंद दीक्षित, ओम पारीख, मीडिया प्रभारी डॉ. सीमा चंपावत, अमित सोलंकी, पुनीत सुखवाल, सुमित दवे, बाबूलाल ओड़, राजेंद्र परिहार, मंडल अध्यक्ष रुचिका चौधरी, विजय आहुजा, कन्हैया वैष्णव, रंजीत दिगपाल, सुनील चौधरी, अमृत मेनारिया, प्रतापसिंह राठौड़, मोहन पटेल, मुकेश शर्मा, महेश गोस्वामी, मोहन मीणा, गिरीश शर्मा, कमलेश शर्मा समेत अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। जयपुर में बुधवार को उदयपुर संभाग के सभी 7 जिलों के पदाधिकारियों ने बैठक में भाग लिया। मुख्यमंत्री ने सभी सुझावों को सुना और समाधान के निर्देश दिए, जिससे संगठन और सरकार में तालमेल को और मजबूत किया जा सके।

डॉ अलका मूंदड़ा भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष मनोनीत

24 न्यूज अपडेट

भारतीय जनता पार्टी राजस्थान प्रदेश की कार्यकारिणी की आज प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने अपनी प्रदेश कार्यकारिणी की घोषणा की। भाजपा महिला मोर्चा पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ अलका मूंदड़ा को प्रदेश उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया।

भाजपा में मेवाड़ से कार्यकारिणी में महत्वपूर्ण पद पर किए गए मनोनयन से भाजपा में हर्ष व्याप्त हुआ।जैसे ही कार्यकारिणी की घोषणा हुई डॉ अलका मूंदड़ा के निवास पर कार्यकर्ताओं ने बड़ी संख्या में पंहुच उन्हें बधाई प्रेषित की । भारतीय जनता पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष हरियाणा के प्रभारी डॉ सतीश पूनिया भी किसी विवाह समारोह में लेकसिटी पहुंचे वह भी सीधे डॉ अलका मूंदड़ा के निवास पर पहुंच उन्हें बधाई प्रेषित की और शुभकामनाएं प्रदान की। भाजपा मीडिया संभाग प्रभारी चंचल कुमार अग्रवाल ने बताया कि विद्यार्थी काल से ही डॉ अलका मूंदड़ा की छात्र राजनीति में रुचि रही।वह जयपुर की महारानी कॉलेज की 1991 में महासचिव पद पर रही। जब पहली बार महापौर के सीधे चुनाव होने जा रहे थे तब अलका मूंदड़ा ने अपने आपको इस पद पर भाजपा की प्रत्याशी हेतु आवेदन किया। तत्पश्चात लगातार उदयपुर की राजनीति में अपनी उपस्थिति दर्ज कराती रही इनके कार्यों को देखते हुए महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष मनोनीत हुई तत्पश्चात महिला मोर्चा की प्रदेश मंत्री, प्रदेश महामंत्री और फिर 2020 से 2023 तक महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी का निर्वहन किया। अभी वर्तमान में नाथद्वारा विधानसभा की प्रभारी के रूप में कार्य कर रही थी आज प्रदेश अध्यक्ष श्री मदन राठौड़ ने अपनी प्रदेश कार्यकारिणी में डॉ अलका मूंदड़ा को प्रदेश उपाध्यक्ष मनोनीत किया।

जलापूर्ति बाधित रहेगी

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 27 नवम्बर। शहरी जल परियोजना नगर उपखण्ड पंचम अंतर्गत नांदेश्वर सीसारमा रोड पर नया खेड़ा गांव के समीप मुख्य राइजिंग लाइन में लिकेज होने से शुक्रवार और शनिवार को एकलव्य कॉलोनी, सज्जननगर कॉलोनी, छीपा कॉलोनी, कोर्ट परिसर एवं अशोक नगर टंकी से होने वाली जलापूर्ति आंशिक रूप से बाधित रहेगी। यह जानकारी सहायक अभियंता राजसिंह मनात ने दी।

राज्यपाल ने कुलगुरू प्रो. सुनिता मिश्रा का त्यागपत्र स्वीकार किया

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 27 नवम्बर। राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री हरिभाऊ बागडे ने मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर की कुलगुरू प्रो. सुनिता मिश्रा के त्यागपत्र को स्वीकार किया है। यह त्यागपत्र उनके खिलाफ प्राप्त विभिन्न शिकायतों की संभागीय आयुक्त, उदयपुर की अध्यक्षता में गठित जांच समिति की रिपोर्ट के अध्यधीन स्वीकार किया गया है।

युडीए की आवासीय योजनाओं की लॉटरी स्थगित, अब दिसम्बर माह के द्वितीय सप्ताह में होगी लॉटरी

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 27 नवम्बर। उदयपुर विकास प्राधिकरण की तीन आवासीय योजनाओं में कुल 1109 आवासीय भूखण्डों के आवंटन के लिए चल रही प्रक्रिया के तहत गुरूवार को प्रस्तावित ई-लॉटरी को अपरिहार्य कारणों से स्थगित किया गया है। आयुक्त राहुल जैन ने बताया कि अब लॉटरी का आयोजन दिसंबर माह के दूसरे सप्ताह में किया जाएगा, जिसकी नई तिथि, समय एवं स्थान की सूचना शीघ्र ही प्राधिकरण की आधिकारिक वेबसाइट एवं स्थानीय समाचार माध्यमों द्वारा जारी कर दी जाएगी। श्री जैन ने बताया कि ई-लॉटरी का आयोजन मानक प्रक्रिया अनुसार किया जाएगा, जिसमें अंतिम डेटा सत्यापन, जिला कलेक्टर द्वारा नामित प्रतिनिधि, ट्रेजरी अधिकारी आदि की उपस्थिति में आवेदकों की सूची को सिस्टम में फ्रीज करना, आवेदकों में से विजेताओं का स्वचालित चयन, संपूर्ण प्रक्रिया की वीडियो रिकॉर्डिंग तथा डेटा लॉग सुरक्षित रखना, तथा परिणामों का विभागीय पोर्टल पर सार्वजनिक प्रकाशन शामिल है। आवेदक नई निर्धारित तिथि पर लॉटरी स्थल पर उपस्थित भी हो सकते हैं। यह ई-लॉटरी पूर्णतः ऑनलाइन माध्यम से, पूर्ण पारदर्शिता के साथ आयोजित की जाएगी।

सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा अभियान का शुभारंभ

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 27 नवंबर। परिवहन एवं सड़क सुरक्षा विभाग, यातायात पुलिस उदयपुर तथा आधार फाउंडेशन के संयुक्त तत्वाधान में सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत गुरूवार को महाराणा मेवाड़ पब्लिक स्कूल में "सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा अभियान" का विधिवत शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा एवं आपातकालीन प्राथमिक उपचार से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी गई।

कार्यक्रम में उपस्थित यातायात पुलिस उपाधीक्षक ने विद्यार्थियों को वाहनों में हो रहे तकनीकी बदलावों, नए यातायात नियमों तथा सड़क दुर्घटनाओं से बचाव के उपायों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हेलमेट, सीट बेल्ट, ओवरस्पीडिंग से बचाव और ट्रैफिक सिग्नल का पालन जीवन रक्षा के सबसे महत्वपूर्ण सूत्र हैं। आधार फाउंडेशन की ओर से नारायण चौधरी ने बच्चों को फर्स्ट रिस्पांडर की भूमिका, सीपीआर देने की विधि, ड्रेसिंग एवं बैंडेज करना, सड़क पर सुरक्षित चलने के नियम तथा घायल व्यक्ति को सुरक्षित अस्पताल पहुंचाने की प्रक्रिया को व्यावहारिक रूप से समझाया। बच्चों को ऑडियो-विजुअल माध्यमों एवं लाइव प्रैक्टिकल डेमो के माध्यम से प्रशिक्षित किया गया, जिससे वे दैनिक जीवन में इन बातों को आसानी से आत्मसात कर सकें।

साधना और धर्माचरण ही मोक्ष का वास्तविक माध्यम : आचार्य महाश्रमण

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 27 नवम्बर। तेरापंथ धर्मसंघ के एकादशम अधिशास्ता आचार्य महाश्रमण अपनी धवल वाहिनी के साथ त्याग, शौर्य, और बलिदान की वीर वसुंधरा मेवाड़ में अहिंसा यात्रा के माध्यम से नशामुक्ति , नैतिकता और सद्भावना का संदेश देते हुए विभिन्न क्षेत्रों का विचरण करते हुए धर्म प्रभावना कर रहे है।

श्री मेवाड़ जैन श्वेताम्बर तेरापंथी कांफ्रेंस के अध्यक्ष राजकुमार फत्तावत ने बताया कि आचार्य महाश्रमण ने दो दिन तक उदयपुर जिले में प्रवास करने के बाद गुरुवार को उदयपुर जिले से विदाई लेकर राजसमन्द जिले की सीमा में प्रवेश किया।

आचार्य महाश्रमण 27 नवम्बर को प्रातः सुखेर से विहार करके देलवाड़ा स्थित पारिजात रिसॉर्ट ढाबालॉजी पधारे। सांयकाल में आचार्य महाश्रमण पुनः विहार के लिए अग्रसर हुए और रात्रि प्रवास हेतु इग्निस ग्रेनाइट बिलोता पधारे। वहीं साध्वी प्रमुखा विश्रुत विभा का रात्रि प्रवास गवर्मेंट कॉलेज बिलोता में हुआ।

फत्तावत ने बताया कि आज से पुनः श्री मेवाड़ जैन श्वेताम्बर तेरापंथी कांफ्रेंस ने आचार्य महाश्रमण की यात्रा का दायित्व अपने हाथ में लिया और मेवाड़ कांफ्रेंस के कार्यकर्ता पुनः यात्रा की व्यवस्था में जुट गए है। फत्तावत ने बताया कि उदयपुर के सर्व समाज जन, सामाजिक, धार्मिक, व्यापारिक, राजनैतिक संगठनों द्वारा आचार्य महाश्रमण के स्वागत में जिस तरह से पलक पावडे बिछा दिए और पूरे शहर को महाश्रमण मय बना दिया। उसके लिए मेवाड़ कांफ्रेंस द्वारा हृदय से आभार और धन्यवाद व्यक्त किया। फत्तावत ने बताया कि मेवाड़ यात्रा के दौरान विभिन्न गणमान्य व्यक्तियों और हस्तियों के आचार्य महाश्रमण के दर्शन हेतु आने का क्रम बना हुआ है। इसी कड़ी में 30 नवम्बर को नाथद्वारा से विहार करते समय मार्ग में पंजाब के राज्यपाल और चण्डीगढ़ के प्रशासक गुलाबचंद कटारिया आचार्य महाश्रमण के दर्शन करेंगे।

आचार्य महाश्रमण ने विहार के बाद उपस्थित जन समुदाय को अमृत देशना देते हुए फरमाया कि क्रोध, मान, माया और लोभ रूपी कषाय पुनर्जन्म रूपी वृक्ष की जड़ को सिंचने का काम करते है। जब तक मोहनिय कर्म रहते है तब तक जन्म मरण का क्रम चलता रहता है। मोहनिय कर्म को क्षय करके व्यक्ति सिद्धता प्राप्त कर सकता है। एक बार सिद्धता प्राप्त हो जाए उसे कोई समाप्त नहीं कर सकता है। देवगति, मनुष्य गति बार बार मिल सकती है लेकिन सद्गति आसानी से नहीं मिल पाती है।

व्यक्ति के पास गाड़ी बंगला आज हो सकता है कल नहीं हो सकता है। आज नहीं है , कल हो सकता है लेकिन मोक्ष का बंगला ऐसा है जिससे व्यक्ति एक बार प्रवेश कर जाता है फिर कोई भी शक्ति उसे उस बंगले से बाहर नहीं निकाल सकती है। पारिजात रिसॉर्ट ढाबालॉजी के पारस बोल्या ने आचार्य महाश्रमण का रिसॉर्ट परिसर में पदार्पण पर स्वागत अभिनंदन करते हुए अपनी भावना प्रस्तुत की। आज के कार्यक्रम में पारिजात रिसॉर्ट ढाबालॉजी के येवन्तिकुमार बोल्या, पारस कुमार बोल्या का साहित्य समर्पण उपरना और स्मृति चिन्ह द्वारा अभिनंदन श्री मेवाड़ जैन श्वेताम्बर तेरापंथी कांफ्रेंस के रमेश डागलिया, धर्मेंद्र मांडोत, विनोद मांडोत ,गजेन्द्र सोनी द्वारा किया गया। अंत में उपस्थित जन समुदाय को मंगल पाठ का श्रवण करवाया गया।

आदिवासियों को धर्मान्तरित करने का षडयंत्र, बीएपी के रोत व इनके नेता झारखंड में आदिवासियों को बरगला रहेः सनी टोप्पो उरांव

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। झारखंड में आदिवासियों का धर्मान्तरण करवाने वाली मिशनरियों और उनके एजेंटों के खिलाफ संघर्षरत झारखंड के राष्ट्रीय आदिवासी सामाजिक युवा कार्यकर्ता सनी टोप्पो उरांव तथा विकास उरांव ने कहा कि आदिवासियों को ईसाई बनाने का बहुत बडा षडयंत्र झारखंड सहित देश के अन्य हिस्सों में चल रहा है। राजस्थान की बीएपी पार्टी के नेता राजकुमार रोत पर भी आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि रोत व इनके नेता झारखंड आकर आदिवासियों को बरगलाने की कोशिश कर रहे हैं और वहां के छुटभैया नेताओं को वागड में बुलाकर यहां के आदिवासियों को भ्रमित कर रहे हैं। गुरुवार को उदयपुर आए इन आदिवासी ने प्रेस वार्ता कर बताया कि वे अगले पांच दिनों तक वागड क्षेत्र के डूंगरपुर, बांसवाडा, सागवाडा व अन्य क्षेत्रों में रहकर आदिवासी युवाओं को जाग्रत करने का प्रयास करेंगे और बीएपी पार्टी के सांसद राजकुमार रोत व इनके नेताओं द्वारा झारखंड में किए जा रहे कृत्यों का खुलासा करेंगे। उन्होंने कहा कि रोत व इनके नेता झारखंड में आकर आदिवासियों को बरगला रहे हैं कि आदिवासी हिन्दू नहीं है। इसके माध्यम से वे धर्मान्तरण का खेल खेल रहे हैं। सनी टोप्पो उरांव ने कहा कि आदिवासी सदियों से हिन्दू था और रहेगा। रोत व उनके नेताओं को हम इस अभियान में सफल नहीं होने देंगे। उन्होंने कहा कि आदिवासियों के भगवान बिरसा मुंडा स्वयं जनेउ धारण करते थे। उनके जनेउ धारण किए हुए का एक चित्र भी पत्रकारों को बताया। साथ ही झारखंड के कई सारे मंदिरों के चित्र भी बताए और कहा कि आदिवासी सदियों से यहां देवी-देवताओं की पूजा करते रहे है और वर्तमान में भी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि राजकुमार रोत व इनके नेता झारखंड के ऐसे नेताओं का वागड क्षेत्र में बुलाकर आदिवासियों को बरगलाने की कोशिश कर रहे हैं जिनको झारखंड के चुनाव में 500 से ज्यादा वोट नहीं मिले। झारखंड में आदिवासियों ने जब ऐसे नेताओं का घास नहीं डाली तो वे मेवाड-वागड क्षेत्र में आकर यहां के भोले-भाले आदिवासियों को भ्रमित कर रहे हैं।

सनी टोप्पो उरांव ने कहा कि इससे भी इंकार नहीं किया जा सकता है कि आदिवासियों को धर्मान्तरित कर ईसाई बनाने की चाल अंतरराष्टीय स्तर पर चल रही है। आदिवासी स्वभाव से भोला होता है। उसको लोभ-लालच देकर धर्मान्तरित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि केवल झारखंड में 26 प्रतिशत आदिवासियों में से 14 प्रतिशत को ईसाई बनाया जा चुका है। ऐसा ही अभियान ये लोग मेवाड-वागड में चलाने की कोशिश रहे हैं। इसको रोकने व आदिवासी युवा भाइयों को सतर्क करने के लिए वे मेवाड-वागड का दौरा कर रहे हैं। युवाओं से चर्चा और बैठक के बाद यहां भी आदिवासियों की ऐसी फौज तैयार की जाएगी जो आदिवासियों के धर्मान्तरण के खिलाफ बडी मुहिम चलाएंगे। उन्होंने कहा कि हमें हमारे पुरखों की विरासत को बचाना है। हमारे पुरखों ने मंदिर हमें सौंपे हैं उनको भी बचाना है। उन्होंने कहा कि वे डीलिस्टिंग आंदोलन का भी समर्थन करते हैं। जो लोग आदिवासी धर्म छोडकर अन्य धर्म को अपना चुके हैं वे आज भी आदिवासी पात्रता का लाभ उठा रहे हैं। ऐसे लोगों को आदिवासी पात्रता का लाभ तुरंत प्रभाव से खत्म होना चाहिए। उन्होंने कहा कि डीलिस्टिंग आंदोलन की शुरुआत झारखंड से ही हुई थी। उन्होंने कहा कि मेवाड-वागड क्षेत्र में उन्हें बीएपी के नेताओं से कोई डर नहीं है। यहां के आदिवासियों को रोत जैसे नेताओं की असलियत बताना जरुरी है। इसके लिए वे कोई भी खतरा उठाने को तैयार है।

जैसे सूर्य उदय होने पर अंधकार मिट जाता है, वैसे ही मंदिर जाकर जीव के भीतर का तम नष्ट होता है : आचार्य पुलक सागर

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 27 नवम्बर। श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन उदासीन आश्रम, अशोक नगर में आज राष्ट्रसंत 108 आचार्य पुलक सागर जी महाराज का पावन प्रवास हुआ। पुलक मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद फान्दोत ने बताया कि समाजजनों की बड़ी उपस्थिति के बीच यह कार्यक्रम भक्ति, अनुशासन और आध्यात्मिक गरिमा के साथ सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत विद्याप्रमाण कन्या छात्रावास की छात्राओं द्वारा प्रस्तुत मंगलाचरण से हुई, जिसने समारोह का शुभारंभ आध्यात्मिक स्वर में किया। आचार्यश्री का पाद-प्रक्षालन मानक लुहाडिया परिवार द्वारा किया गया। शास्त्र भेंट का सौभाग्य प्रमोद चौधरी परिवार को प्राप्त हुआ, जबकि पूजा-अर्चना विमल गोधा परिवार द्वारा सम्पन्न की गई। इसके पश्चात आचार्यश्री ने अपने प्रवचन में प्रतिदिन मंदिर जाने के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि मंदिर जाना केवल धार्मिक कर्तव्य नहीं, बल्कि आत्मविकास और मानसिक शांति की अनिवार्य साधना है। उनकी पावन वाणी ने उपस्थित जनों को गहराई से प्रभावित किया। आहार-चर्या का लाभ महेंद्र, नरेंद्र, अमित टाया परिवार को प्राप्त हुआ। स्वामी वात्सल्य के पुण्यर्थी भी टाया परिवार ही रहे।

आचार्य पुलक सागर महाराज ने प्रवचन में कहां कि मंदिर जाना भगवान के जन्म कल्याणक को स्मरण करना है। देवदर्शन आत्मा की शुद्धि और मन की शांति का माध्यम है। जैसे सूर्य उदय होने पर अंधकार मिट जाता है, वैसे ही मंदिर जाकर जीव के भीतर का तम नष्ट होता है। संध्या समय आश्रम परिसर में भव्य आनंद यात्रा निकाली गई, जिसके पश्चात दिव्य दीप-आरती आयोजित हुई। दीपों की रौशनी और भक्ति गीतों की स्वर-लहरियों ने पूरे परिसर को आध्यात्मिक वातावरण से भर दिया। बड़ी संख्या में समाजजन शामिल रहे। शुक्रवार को कलश स्थापना कल प्रातः 11.30 बजे, आचार्यश्री द्वारा शुभ कलश स्थापना का दिव्य और मंगल कार्य सम्पन्न किया जाएगा। यह कार्यक्रम महेंद्र टाया के निवास पर आयोजित होगा। समाज के सभी सदस्यों से समय पर उपस्थित होकर पुण्य लाभ लेने का अनुरोध किया गया है। कार्यक्रम में दिगम्बर जैन समाज के प्रमुख श्रावकों सहित अन्य समाजों के अनेक गणमान्य नागरिक भी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर जीतो एपेक्स सकेटरी सीए डॉ. महावीर चपलोत तथा अन्य विशिष्ट श्रावक भी उपस्थित रहे, जिन्होंने कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई। समापन में आचार्यश्री से आशीर्वाद लेकर उपस्थित श्रद्धालुओं ने आत्मशांति, सद्चर्या और धर्मबल के पथ पर दृढ़ रहने का संकल्प लिया।

जिनवर की भक्ति से पापों का नाश होता है : आर्यिका सुप्रज्ञमती

24 न्यूज अपडेट

खेरवाड़ा, कस्बे के महावीर कॉलोनी जिनालय में प्रवासरत आचार्य सुनील सागर की सुयोग्य शिष्या आर्यिका सुप्रज्ञमती माताजी ससंघ के सानिध्य में चल रहे पांच दिवसीय समवसरण विधान के तीसरे दिन इन्द्र इंद्राणीयों द्वारा 180 अर्घ्य समर्पित किए गए। विधानाचार्य गजेन्द्र पटवा ने बताया कि सुबह भगवान का अभिषेक, शांति धारा की गई। शांति धारा का लाभ प्रकाश पंचोली एवं जयंती भगोरिया परिवार ने प्राप्त किया। नित्य नियम पूजन और विधान की पूजाएं पढ़ी गई। विधान के सौधर्म इंद्र महेंद्र कुमार शोभना परिवार, कुबेर इंद्र रोशन लाल लक्ष्मी नागदा, ईशान इंद्र राजेश रीना शाह, महायज्ञ नायक राकेश कुमार संगीता फडिया, ध्वजारोहण कर्ता रंजन कुमार सुभद्रा जैन, प्रति इन्द्र राकेश शर्मिला शाह परिवार तथा अन्य श्रावक श्राविकाओं द्वारा पूजा अर्चना करते हुए वादक की साज आवाज की धुन के साथ नाचते गाते विधान पर अर्घ्य समर्पित किए गए। आर्यिका के मंगल आशीर्वाद से महावीर कॉलोनी में खूब धर्म प्रभावना हो रही है।

विदुषी आर्यिका माताजी के पाद प्रक्षालन एवं शास्त्र भेंट के बाद माता जी का मंगल प्रवचन हुआ। आर्यिका के पाद प्रक्षालन एवं शास्त्र भेंट का लाभ विधान के कुबेर इन्द्र रोशन लाल लक्ष्मी नागदा परिवार ने प्राप्त किया।

उर्स का आगाज शुक्रवार 28 नवम्बर को व समापन 30 नवम्बर रविवार को

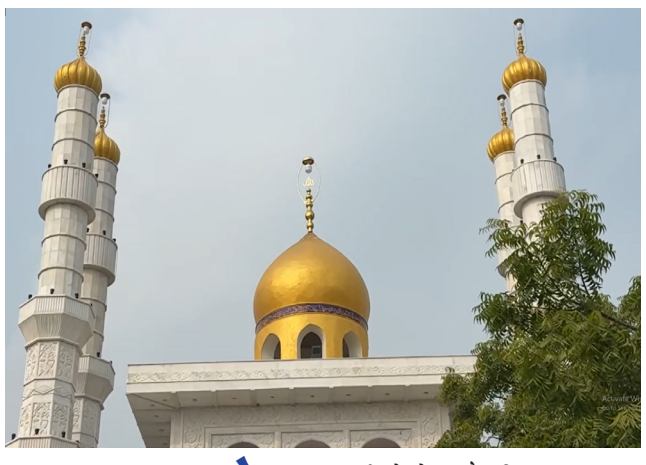

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। शहर के अम्बावगढ पहाड़ी स्थित दरगाह हजरत गंज शहीदा बाबा के तीन दिवसीय 77वें उर्स का आगाज 28 नवम्बर शुक्रवार को दरगाह परिसर में परचम कुशाई की रस्म के साथ होगा।

दरगाह कमेटी के सदर गुलाम मोइनुद्दीन कादरी राजा भाई की अध्यक्षता में एक बैठक आयोजित की गई जिसमें हजरत गंज शाहिदा बाबा के तीन दिवसीय उर्स को लेकर तैयारियां का जायजा लिया गया व कमेटी मेंबरान को जिम्मेदारियां सौंपी गई ताकि उर्स में शिरकत करने वाले अकीदतमंद लोगों को किसी प्रकार की कोई परेशानी ना हो। इस अवसर पर दरगाह मस्जिद के इमाम मौलाना बाबुल हुसैन, सेक्रेट्री जावेद खान, नफीस खान, इरफान खान छन्नू, मोहम्मद शौकत, इंतखाब आलम, नईम खान, बिलाल खान, साहिल शेख, राफे, हसनैन व अन्य मेंबरान मौजूद रहे।

दरगाह कमेटी के सदर गुलाम मोइनुद्दीन कादरी ने बताया कि हजरत गंज शहीदा बाबा का तीन दिवसीय 77वां उर्स इस्लामी माह जमादिल आखिर की 6, 7 व 9 बमुताबिक 28 नवम्बर से 30 नवम्बर तक मनाया जाएगा। उर्स सूफी निसार अहमद कादरी बासनी नागौर शरीफ की सरपरस्ती में आयोजित किया जाएगा। उर्स के चलते दरगाह परिसर में विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे जिसमें शहर व आसपास के क्षेत्रों से जायरीन शिरकत करेंगे। दरगाह कमेटी की ओर से उर्स के चलते तीनों दिन आम लंगर का इन्तेजाम रहेगा।

दरगाह कमेटी के प्रवक्ता मोहसिन हैदर ने बताया कि उर्स के पहले दिन 28 नवम्बर शुक्रवार को प्रातः नमाज फज्र के बाद कुरआन ख्वानी की जाएगी। प्रातः 8 बजे दरगाह पर परचम कुशाई की जाएगी व सायं 5 बजे बाद नमाजे असर हुसैनी परचम की परचम कुशाई की जाएगी व रात्रि बाद नमाजे ईशा महफिले मिलाद का आयोजन किया जाएगा जिसमें बतौर मेहमाने खुसुशी सय्यद फाजिल मियां मैसुर व गद्दीनशीन नौकुन्टी दरबार पादुकलां फकीर रमजान अली शाह, खुसुशी नातख्वां जावेद रजा कादरी बासनी नागौर शरीफ व शहरे काजी उदयपुर हामिद रजा शिरकत करेंगे। उर्स के दूसरे दिन 29 नवम्बर शनिचर को रात्रि बाद नमाज ईशा महफिले सिमा-कव्वाली का आयोजन किया जाएगा जिसमें जयपुर से खुसुशी कव्वाल जुबैर नईम अजमेरी व दरगाह के दस्तार बन्द कव्वाल रफीक मस्ताना वारसी व कव्वाल मस्ताना अखलाक सुल्तानी इन्टरनेशनल कव्वाल उदयपुरी अपने कलाम पेश करेंगे व रात्रि 1 बजे सन्दल पेश करने की रस्म अदा की जाएगी। वहीं उर्स के तीसरे दिन 30 नवम्बर रविवार दोपहर बाद नमाज जौहर कुल की महफिल शुरु होगी जिसमें कव्वाल पार्टियां अपने कलाम पेश करेगी और सायं बाद नमाज असर कुल की फातिहा के साथ उर्स सम्पन्न होगा।

जेके सीमेंट की खदानों में खान पर्यावरण एवं खनिज संरक्षण सप्ताह का आयोजन

24 न्यूज अपडेट

भारतीय खान ब्यूरो के क्षेत्रीय कार्यालय अजमेर के तत्वावधान में आयोजित किए जा रहे 36 वे खान पर्यावरण एवं खनिज संरक्षण सप्ताह के तहत जे. के सीमेंट की निंबाहेड़ा एवं मांगरोल स्थित खदानों का निरीक्षण किया गया मालिया खेड़ा माइंस में आयोजित समारोह में बोलते हुए जे. के सीमेंट के माइंस हेड यतेंद्र शर्मा ने बताया कि हमें वर्तमान के साथ-साथ भविष्य की आवश्यकताओं को भी ध्यान में रखते हुए पर्यावरण की सुरक्षा एवं खनिज संपदाओं का संरक्षण करना होगा । उन्होंने बताया कि जे. के सीमेंट संस्थान अपनी पर्यावरणीय नीति के तहत सस्टेनेबल डेवलपमेंट के विभिन्न उपायों को बहुत ही प्रभावशाली ढंग से लागू कर रहा है। ऊर्जा के क्षेत्र में ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा देना, खदानों में पर्यावरण संतुलन के लिए अधिक से अधिक वृक्षारोपण कर माइंस क्षेत्र में ग्रीन बेल्ट का विकास करना एवं पर्यावरण के विभिन्न घटकों के संतुलन को बनाए रखने के लिए उनकी नियमित मॉनिटरिंग एवं गुणवत्ता सुधार के लिए कार्य किए जा रहे हैं L साथ ही उन्होंने बताया कि जे. के सीमेंट अपने सामाजिक सरोकारों का भी पूरी जिम्मेदारी एवं सजगता के साथ निर्वहन करते हुए क्षेत्र के सामग्र विकास के लिए योजनाबद्ध तरीके से कार्य कर रहा है।निरीक्षण दल के प्रभारी हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड की आगुचा खदान के चंद्र प्रकाश ने विभिन्न खदानों का निरीक्षण करते हुए खदानों में पर्यावरण एवं खनिज संरक्षण के लिए किए जा रहे कार्यों का पूरी गहनता के साथ अवलोकन करते हुए संतोष व्यक्त किया ।उन्होंने अपने सारगर्भित उद्बोधन में कहां की पर्यावरण का संरक्षण हम सभी का सामूहिक दायित्व है उन्होंने अधिक से अधिक पेड़ लगाकर धरती को हरियाली से आच्छादित करने की बात कही । कार्यक्रम के प्रारंभ में पीयूष कुमार आमेटा ने सभी को पर्यावरण एवं खनिज संरक्षण की शपथ दिलाई ।मालिया खेड़ा माइंस के खान प्रबंधक सुधीर नागौरी ने सभी का स्वागत उद्बोधन करते हुए पर्यावरण एवं प्राकृतिक संपदा के संरक्षण के लिए खदानों में किया जा रहे विभिन्न नवाचारों पर प्रकाश डाला । ज्ञातव्य हो कि जे. के सीमेंट निंबाहेड़ा एवं मांगरोल स्थित पांचों खदाने कारुण्डा माइंस, मालियाखेड़ा माइंस, मांगरोल माइंस, निंबाहेड़ा माइंस एवं मांगरोल टीलाखेड़ा माइंस खान पर्यावरण एवं खनिज संरक्षण सप्ताह इस आयोजन में भाग ले रही है । सभी खदानों के कर्मचारी एवं अधिकारियों की उपस्थिति में आयोजित कार्यक्रम में कर्मचारी एवं अधिकारियों ने अपने गीतों,कविताओं एवं नाट्य मंचन के माध्यम से पर्यावरण जागृती का संदेश दिया। जिसकी सभी ने सराहना की।वर्ष पर्यंत पर्यावरण संरक्षण के लिए उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों को निरीक्षण दल के अधिकारियों द्वारा पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया कार्यक्रम का सफल संचालन माइनिंग इंजीनियर अर्पिता कोंडा एवं माया जाट ने किया । कार्यक्रम के अंत में योगेश दशोरा खान प्रबंधक टीला खेड़ा माइंस ने सभी का आभार एवं धन्यवाद ज्ञापित किया ।

24 न्यूज अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा ।